(d) The trouble started when the mob at Howrah Station became restive due to dislocation of train services caused by passengers at Uttarpara Railway Station preventing running of trains on the main line for alleged late running and shortage of accommodation. The mob refused to disperse as requested repeately by the Police and later started indulging in violence when the Police were compelled to lathi charge.

Subsidy for Chemical Manufacturers

*1688. **Shri Subodh Hansda:**
Shri Madhu Limaye:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Solanki:
Shri Bade:
Shri P. K. Deo:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Himmatsingka:
Shri R. S. Pandey:
Shri R. Barua:

Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether Government propose to give subsidy to chemical manufacturers who manufacture chemicals for export purposes;

(b) if so, which chemicals have been put in this category; and

(c) how much subsidy will be paid to the manufacturers?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) to (c). There is no general scheme for grant of cash subsidy to manufacturers who manufacture chemicals for export purposes. It has, however, been decided that the State Trading Corporation would purchase Hydrochloric acid, Ammonium Chloride Technical, Bleaching Powder, and Sodium Bichromate at prices not higher than those advised by the Directorate General of Technical Development and sell these at prices not below the minima to be fixed by the State Trading Corporation. As the quantity of export can not be predetermined, it is not possible to estimate the amount of subsidy that would be paid under the scheme.

नेपा पेपर मिल्स

*1689. **श्री त्रिभुवन मिश्र :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नेपा पेपर मिल्स में उत्पादन वर्ष 1964 की तुलना में 1965 में बहुत अधिक हुआ है ;

(ख) आगामी वर्ष के लिये सरकार ने नेपा पेपर मिल्स में कितने उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है; और

(ग) उस लक्ष्य को पूरा करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

उद्योग मंत्री (श्री दा० संजीवैया) : (क) नेपा मिल में 1965 के दौरान 30,515 मी० टन का उत्पादन हुआ था जो 1964 के उत्पादन की तुलना में 1680 मी० टन अधिक था ।

(ख) इस कारखाने की वर्तमान क्षमता 30,000 मी० टन वार्षिक की है तथा चौथी योजना के अन्त तक इसे 75,000 मी ०टन तक बढ़ाने का सुझाव है ।

(ग) विस्तार कार्यक्रम को क्रियान्वित किया जा रहा है तथा 1968-69 तक इसके पूरा हो जाने की आशा है ।

जूते बनाना

*1690. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या संभरण तकनीकी विकास और सामग्री आयोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कानपुर में जवानों के लिये जूते बनाने वाले कारखानों के लगभग 2000 श्रमिक काम कम होने के कारण पिछले चार महीनों से खाली बैठे हैं, और